पढ़ो पंजाब पढ़ाओ पंजाब, जालंधर

भय था
भविष्य कहीं न छुप जाए , प्रगति कहीं न रुक जाए
तो सोचा
कुछ ऐसा करें कि ,हर घर गुरुकुल बन जाए

कक्षा आठवीं

शायद यही जीवन है

लेखिका - डॉ . मीनाक्षी वर्मा

प्रयासरत :

कंचन वासन
हिंदी शिक्षिका
सरकारी कन्या हाई स्कूल
शाहकोट (जालंधर)

भाषा शिक्षण एक कला

भाषा शिक्षण एक कला

प्यारे बच्चो
हिंदी शिक्षण की आज की कक्षा में आपका स्वागत है। आज हम पढ़ने जा रहे हैं आठवी कक्षा की पुस्तक का पांचवां पाठ 'शायद यही जीवन है'
इसके रचना कार हैं 'डॉ मीनाक्षी वर्मा '
मैंने पूरा प्रयास किया है कि आप सरलता से यह पाठ पढ़ लिख और समझ सकें।
धन्यवाद।।

सौजन्य:
कंचन वासन
अध्यापिका
सरकारी कन्या हाई स्कूल
शाहकोट (जालंधर)

अभ्यास

1. **नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-**

ਬਗੀਚਾ	=	बगीचा	ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ	=	गतिविधियाँ
ਬੈਂਗਣ	=	बैंगन	ਸੰਬੰਧ	=	संबंध
ਅੰਡੇ	=	अंडे	ਮੂਲ ਮੰਤਰ	=	मूल मंत्र

2. **नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-**

ਵਿਹੜਾ	=	आँगन	ਇੰਤਜ਼ਾਰ	=	प्रतीक्षा
ਆਲ੍ਹਣਾ	=	घोंसला	ਧੰਨਵਾਦ	=	धन्यवाद
ਚੁੰਝ	=	चोंच	ਭੋਜਨ	=	आहार

3. **शब्दार्थ :-**

असमंजस	=	कुछ न सूझना
समयाभाव	=	समय का अभाव या कमी
नीड़	=	घोंसला
निहारना	=	प्यार से देखना
निश्चिंत	=	बिना किसी चिंता के, बेफिक्र
अचेत	=	मूर्च्छित, बेसुध, होश न होना
अवलम्ब	=	सहारा
आशंकित	=	शंका होना
अंतरंग बातें	=	पक्षी जगत का अंदरूनी व्यवहार

4. इन प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें :

(क) लेखिका ने आँगन में क्या देखा?

उत्तर- लेखिका ने आँगन के बगीचे में बैंगन के पौधे के पास एक छोटे-से प्यालेनुमा आकार के घोंसले में लाल-लाल रंग के छोटे-छोटे चार अंडे देखे।

(ख) चिड़िया का रंग-रूप कैसा था?

उत्तर- छोटी सी चंचल चिड़िया का रंग जैतून हरा-सा था। उसके नीचे के अंग सफेद तथा शिखा जंग जैसे रंग की थी।

(ग) चिड़िया के कितने बच्चे थे ?

उत्तर- चिड़िया के चार बच्चे थे।

(घ) बच्चे भोजन की माँग किस प्रकार करते थे ?

उत्तर- बच्चे अपनी खुली चोंच बार-बार ऊपर की ओर उठा कर अपनी माँ चिड़िया से भोजन की माँग किया करते थे।

(ड) घोंसला नीचे मिट्टी में कैसे गिर गया?

उत्तर- घोंसले से जुड़े वृक्ष के दो पत्तों में से एक के टूट जाने के कारण और दूसरे पत्ते के सहारे लटक रहे दो बच्चों के बोझ से घोंसला नीचे मिट्टी में गिर गया|

(च)लेखिका ने घोंसले को ऊपर की टहनी पर बाँधने का निश्चय क्यों किया?

उत्तर-लेखिका ने घोंसले को ऊपर की टहनी पर बांधने का निश्चय इसलिए किया कि चिड़िया के बच्चों को बिल्ली से बचाया जा सके।

(छ) बच्चे अपनी माँ से सम्पर्क कैसे स्थापित करते थे?

उत्तर- बच्चे घोंसले से अपने मुंह बाहर निकाल कर ची ची कर के अपनी माँ से सम्पर्क स्थापित करते थे।

(ज) तीन बच्चे मुक्त हो गये थे परन्तु चौथा बच्चा क्यों नहीं मुक्त हो पाया ?

उत्तर- तीन बच्चे तो फुर-फुर्र करके उड़कर मुक्त हो गये, परन्तु चौथा बच्चा सबसे छोटा होने के कारण उड़ नहीं सका। अत: मुक्त नहीं हो पाया।

(झ) लेखिका चौथे बच्चे के भी उड़ जाने पर उदास क्यों हो गई?
उत्तर-चौथे बच्चे के उड़ जाने पर जब लेखिका की छोटी बेटी ने अपने आपको उनकी नन्हीं सी चिड़िया बताया तो लेखिका यह सोचकर उदास हो गई कि एक दिन मेरी यह चिड़िया भी लड़की अपने ससुराल चली जाएगी।

(ञ) जीवन परिवर्तन शील है।' इस तथ्य के बारे में आप कोई उदाहरण लिखो।
उत्तर- जीवन सचमुच परिवर्तनशील होता है। प्रत्येक मनुष्य के अपने जीवन में एक क्षण सुख का और दूसर पल दु:ख का एहसास होता है। तभी तो जीवन में सुख-दु:ख का चोली-दामन का साथ होता है।

(5)इन प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें :

(क) चिड़िया, घोंसला, अंडे, बच्चे - इनके द्वारा जीवन की परिवर्तनशीलता उद्भासित होती है। क्या आपको मानव जीवन में भी ऐसी ही परिवर्तनशीलता दिखाई देती है। कोई दो उदाहरण देकर समझायें।

उत्तर - चिड़िया की ही तरह मानव के जीवन में भी ऐसी ही परिवर्तनशीलता

होकर स्वतन्त्र जीवन जीने के लिये धोसला छोड़ देते हैं मानव जीवन में भी व्यक्ति पहले घर बनाता है, विवाह करता है, बच्चे होते हैं और जब उनका विवाह हो जाता है, वे अपना अलग भर बना लेते हैं। लड़कियां तो होती हो पराया धन हैं, जिसे एक दिन अपने मायके का घर छोड़ कर जाना ही पड़ता है।

(ख)चिड़िया के बच्चों की प्रत्येक गतिविधि पक्षी जगत की स्वभावगत विशेषता को प्रकट करती है। किसी एक गतिविधि को ध्यान से देखकर लिखें।

उत्तर-चिड़िया के बच्चों को प्रत्येक गतिविधि पक्षी जगत को स्वभावगत विशेषता को ही दर्शाती है। निरीह अवस्था में जब उनकी आँखें बन्द होती है तो वे अपनी खली चोंच बार-बार ऊपर की ओर उठाकर अपनी माँ से खाने की मांग करते हैं। थोड़ा बड़े होने पर बच्चे अपने पंख फड़फड़ाने लगते हैं और फिर फुर-फुर करके उड़ भी जाते हैं। वास्तव में यही उनके और सभी के जीवन । की स्वभावगत विशेषता होती है।

(6) दिए गये संज्ञा शब्दों के लिए सही विशेषण शब्द चुनकर लिखें :

हरे भरे पेड़	पतली रस्सी
नोकीले पर	चंचल चिड़िया
गोल डिब्बे	ऊंची डाली
मेरी ननद	रंग बिरंगे फूल

(7) विशेषण बनाएं :

अनुमान = अनुमानित
परिचय = परिचित
स्थापना = स्थापित
सुरक्षा। = सुरक्षित
आशंका = आशंकित
केन्द्र। = केंद्रित

8. विपरीत शब्द लिखें:

परिचित अपरिचित
धूप छाया
गमन आगमन
दर्शक श्रोता
मुक्त बंधक
उपलब्ध अनुपलब्ध
अचेत सचेत
बंधन मुक्ति
निर्माण विध्वंस

(9). नये शब्द बनाये :

समय + अभाव = समयाभाव
विद्या + आलय = विद्यालय
मूल + मंत्र = मूल मंत्र
परिवर्तन + शील = परिवर्तनशील

(10) अनेक शब्दों के लिये एक शब्द लिखें:

सूर्य का उदय होना - सूर्योदय
देखने वाला - दर्शक
समय का अभाव- समयाभाव
जिसकी जानकारी
हो चुकी हो- परिचित
जिसकी जानकारी न हो - अपरिचित

पक्षी जगत की जानकारी
रखने वाला - पक्षी विशेषज्ञ

बिना पलक झपकाए निर्निमेष

(11). इन मुहावरों के अर्थ बताकर वाक्यों में प्रयोग करें :

उत्तर- (क) फूला नहीं समाना (बहुत प्रसन्न होना): बेटे के जन्म पर सारा परिवार फूला न समा रहा था।

(ख) धावा बोलना (आक्रमण करना) : हमारे सैनिकों ने शत्रु पर तत्काल धावा बोल दिया और विजय प्राप्त कर ली।

(ग) मन गद्गद् हो जाना (खुशी से भर जाना)
जब सविता की अपने प्रेमी से शादी हो गई तो उसका मन गदगद हो गया।

(घ) दिल धक् से रह जाना (दु:ख से आक्रान्त हो जाना)
अपने पिता की मृत्यु का समाचार सुनकर सुभाष का दिल धक् से रह गया।

(12)निम्नलिखित में से काल को पहचान कर लिखिए:

(i) दीदी, आओ! आपको कुछ दिखाती हूँ।
वर्तमान काल

(II) उन्हें अपलक देखकर मैं फूला नहीं समा रही थी।
भूतकाल

(iii) यह भी एक दिन उस चिड़िया की तरह उड़ जाएगी।
भविष्य काल

(iv) अनेक चिड़ियों को फुदकता देखकर हम अपनी चिड़िया पहचान लेते थे।
भूत काल